PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Tuesday, 4th January 2011, Page: 3
Width: 7.89 cms Height: 20.63 cms, Ref: pmin.2011-01-04.50.23

भारत ने एबॉट की पेटेंट मांग ठुकराई

प्रेट्र • मुंबई

भारत ने अमेरिका की बहुराष्ट्रीय दवा कंपनी एबॉट लेबोरेटरीज द्वारा एचआईवी/एड्स की एक दवा के पेटेंट की मांग खारिज कर दी है। भारत के इस कदम से दुनियाभर के एचआईवी पीड़ित मरीजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण जीवन-रक्षक दवा तक पहुंच बनाना आसान हो गया है। इंडियन पेटेंट ऑफिस ने सप्ताहांत के दौरान एबॉट लेबोरेटरीज द्वारा जीवन-रक्षक दवा लोपिनाविर/रिटोनाविर के पेटेंट के लिए दायर आवेदन खारिज कर दिया। इंडियन पेटेंट ऑफिस का कहना था कि यह दवा एबोट लेबोरेटरीज की खोज नहीं है। एचआईवी पीड़ित मरीजों के बेहतर जीवन की दिशा में काम करने वाले देशभर के गैर सरकारी संगठनों व इस क्षेत्र से जुड़े कर्मियों ने सरकार के इस कदम की सराहना की है। संगठनों का कहना है कि यह दुनियाभर के एचआईवी पीड़ितों के लिए एक बड़ी जीत है। आवेदन के खारिज होने के साथ ही भारत के लिए दुनियाभर में एचआईवी पीड़ितों को सस्ते दामों में यह दवा भेजने का रास्ता साफ हो गया है।

एबॉट द्वारा इस दवा के पेटेंट के लिए दायर आवेदन के खिलाफ इनीशिएटिव ऑफ मेडिसिन्स, एक्सेस एंड नॉलेज नामक संस्था ने कानूनी मुहिम की शुरुआत की थी। फैसले पर संस्था के निदेशक ताहिर एम. अमीन का कहना था कि पेटेंट के खारिज होने से अंतरराष्ट्रीय दवा कंपनियों द्वारा पेटेंट के नाम पर किए जाने वाले खेल को भी बड़ा झटका लगा है। यह दवा इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उपयोग उन मरीजों के लिए किया जाता है, जिन पर एचआईवी के लिए प्रयोग की जाने वाली पहले स्तर की दवाएं निष्फल हो जाती हैं। लेकिन, एबोट ने सिर्फ दवा के लाइसेंस से ही इनकार नहीं किया था। उसने भारत, ब्राजील व चीन जैसे देशों में इन दवाओं की कीमतें भी बेहद ऊंची रखी थी। इतना ही नहीं, कंपनी ने भारत में इस दवा के अलग-अलग रूपों के पेटेंट के लिए भी कई आवेदन कर रखा है। एबॉट लेबोरेटरीज की इन सारी कवायदों का मकसद भारतीय दवा कंपनियों द्वारा इस क्षेत्र में मिल रही स्पर्धा की धार कुंद करना है।

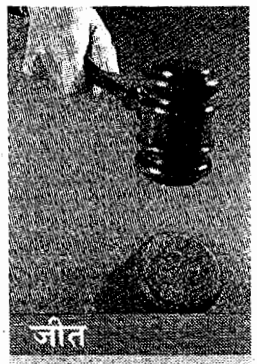

जीत

फैसले पर संस्था के निदेशक ताहिर एम. अमीन का कहना था कि पेटेंट के खारिज होने से अंतरराष्ट्रीय दवा कंपनियों द्वारा पेटेंट के नाम पर किए जाने वाले खेल को भी बड़ा झटका लगा है।